

212. MBH. 3, 2188. R. 1, 58, 11. 2, 61, 20. 99, 2. R. GORR. 1, 9, 30. 2, 48, 10. 3, 15, 5. 5, 82, 6. LA. (III) 50, 1. सक्तिः सर्वे MBH. 3, 2179. 12103. 5, 5430. 5443. 7538. सक्तिम् adv. zusammen 3, 11388 (nach der Lesart der ed. Bomb.). Die Ergänzung a) im instr. verbunden, versehen mit: स्तनौ सक्तौ लक्ष्म्या MBH. 4, 392. सक्तिं ब्रह्म यदस्त्रतेजसा RAGH. 8, 4. KATHAS. 37, 160. मृगवृषेण R. 3, 43, 7. BHĀG. P. 3, 11, 39. im Verein mit, nebst: डुकित्रा MBH. 1, 6121. 3, 1876. 2258. 2268. 2337. 3009. 11917. R. 1, 1, 32. 6, 18. 47, 9. 61, 11. 2, 27, 19. 52, 52. 71, 30. 72, 53. 93, 17. 96, 28. 104, 27. 30. R. GORR. 1, 71, 5. 3, 11, 1. 6, 107, 18. KATHAS. 13, 179. योत्स्यामि सक्तिस्त्वया so v. a. ich werde mit dir kämpfen MBH. 5, 7081. — b) im comp. vorangehend, verbunden —, versehen mit: धर्मकार्यसक्तिर्वाक्यैः R. 2, 46, 7. 102, 4. सम्यग्ज्ञानं क्रियासक्तिम् Spr. (II) 2673. 2755. श्री° 4978. im Verein mit, nebst JĀGĒ. 3, 299. MBH. 3, 2661. 2283. R. 1, 1, 65. 55, 6. 64, 6. 2, 70, 28. 103, 45. RAGH. 2, 72. 11, 55. ÇĀK. 62, 23. 101, 7. 112, 18. KATHAS. 13, 110. PĀNĀT. 217, 5. Schol. zu P. 1, 1, 8. — 4) in der Astr. in Conjunction stehend mit (instr. oder im comp. vorangehend): भे शुभसक्तिं VARĀH. BRH. S. 23, 10. 25, 1. 42, 14. BRH. 4, 21. ऋ° BRH. S. 28, 21. — Vgl. सक्तिय.

सक्तिव (von सक्ति) n. am Ende eines comp. das Verbundensein mit: व्यञ्जन° Comm. zu TS. PRĀT. 1, 43.

सक्तिर (von 1. सक्) nom. ag. ÇKDn. nach Siddh. K. — Vgl. सोढर. सक्तिव्य (wie eben) adj. zu ertragen, — erdulden: दण्ड MBH. 12, 5409. — Vgl. सोढव्य.

सक्तिस्थित adj. zusammenstehend: पुरुषौ द्वौ स्थितौ KATHAS. 27, 152.

सक्तिङ्गुल adj. verwachsene Finger habend VJUTP. 207.

सक्तिरु adj. (f. °रु) anschliessende Schenkel habend P. 4, 1, 70. VĀRTT. VOP. 4, 30. — Vgl. सक्तिरु.

सक्तिं (von 1. सक्) n. (कर्णो) P. 3, 2, 134. VOP. 26, 169.

सक्तिण्य (2. स + क्ति°) adj. nebst Gold, mit Gold versehen u. s. w. ÇĀT. BR. 2, 2, 4, 13. KĀTJ. ÇR. 10, 2, 10. KAUC. 62. 68. Schiff 71. 86. °पात्र ÇĀT. BR. 5, 1, 5, 28.

सक्तिष्ठ (superl. zu 2. सक्) adj. gewaltigst RV. 6, 18, 4. AIT. BR. 2, 36. 8, 12. — Vgl. सकोयम्.

सक्तिर्लु (von 1. सक्) 1) adj. P. 3, 2, 136. VOP. 26, 142. ertragend, aushaltend, ruhig hinnehmend; die Ergänzung im acc.: महीयसां सक्: BHĀG. P. 4, 5, 5. परमुखसक्तिः HIT. 83, 8. im gen.: ज्योतिषशरवर्षाणां शास्त्राणां च सक्तिर्लवः (क्याः) MBH. 7, 278. वर्षशीतोन्नवातानाम् 12, 3225. im loc.: नृत्तिपासाशोन्नवातवर्षभारादनिधिसक्तिः SUÇR. 1, 53, 6. 7. im comp. vorangehend: नृत्तज्ञाधश्चापासशीतार्ति° MBH. 3, 8450. SUÇR. 1, 127, 1. रविकिरण° ÇĀK. 37. KULL. zu M. 6, 8. लयव्यय° KĀM. NĪTIS. 18, 11. fg. अत्यन्तदुःख° SĀH. D. 16, 9. प्रत्युपदेश° PRAB. 95, 7. HIT. 126, 16. fg. क्लेशसक्तिः Spr. (II) 475. MĀLATĪM. 144, 4. RĀGĀ-TAR. 3, 157. 4, 473. ohne Ergänzung Alles geduldt ertragend, sich Alles gefallen lassend, nachsichtig AK. 3, 1, 31. H. 390. MBH. 3, 763. 14, 2098. SUÇR. 1, 333, 21. RAGH. 2, 72. Spr. (II) 1342. KATHAS. 46, 135. तर्कवत् KIR. 2, 50. पितराविव BHĀG. P. 1, 12, 22. काले सक्तिर्गिरिवसक्तिश्च वक्रिवत् Spr. (II) 1706. ऋ° 2670. BHĀG. P. 4, 9, 32. — 2) m. N. pr. eines Rshi HARIV. 14154. Verz. d. Oxf. H. 53, b, 17. einer der 7 Rshi unter dem 6ten

Manu HARIV. 436. MĀRK. P. 76, 54. ein Sohn Pulaha's 52, 23. VP. 83. BHĀG. P. 4, 1, 38. — Vgl. ऋ°, व्यय°.

सक्तिभुता f. nom. abstr. von सक्ति. Die Ergänzung im gen.: अम-ल्लमपिपासोन्नवातदीनाम् SUÇR. 2, 139, 6. अन्यगुणद्विनामसक्तिभुता SĀH. D. 196. im comp. vorangehend: क्लेश° Spr. (II) 2678. KĀM. NĪTIS. 1, 21. 4. 37, 8, 8. VEDĀNTAS. (Allah) No. 12. योऽनामसक्तिभुता SUÇR. 1, 97, 4. कालतेपा-सक्तिभुता SĀH. D. 187. ohne Ergänzung HALĀJ. 4, 40. Spr. (II) 296. — Vgl. ऋ°.

सक्तिबल n. desgl.: द्वंद्व° MBH. 3, 17373. मम्मोत्साहासक्तिबल RĀGĀ-TAR. 4, 707. ohne Ergänzung MBH. 1, 5518. HARIV. 2612. SUÇR. 1, 333, 5. 7. Spr. (II) 1722. °ले धरासमः MBH. 1, 2812. 6, 502. MĀRK. P. 123, 15.

सकीयम् (compar. zu 2. सक्) adj. gewaltiger; sehr mächtig, überlegen RV. 1, 61, 7. राजन् 71, 4. 171, 6. मर्त 4, 53, 1. 5, 79, 2. 10, 143, 6. सक्म-श्चित्सकीयान् 176, 4. BHĀG. P. 11, 23, 47. AV. 4, 32, 4 (सकावान् RV.). 5. 20, 10. वीरुधः 8, 7, 11. 10, 5, 43. Indra KAUC. 78. — Vgl. सक्यम् und सक्तिष्ठ.

सकील m. N. pr. eines Mannes RĀGĀ-TAR. 8, 562.

सैङ्गरि (von 1. सक्) UNĀDIS. 2, 73. adj. gewaltig, überlegen, siegreich RV. 2, 21, 3. 4, 22, 9. वाजिन् 38, 7. Indra-Agni 6, 60, 1. ऋवन् 7, 58, 4. 8, 46, 20. 10, 83, 4. 84, 2. 92, 8. nach UGĒVAL. subst. die Sonne und die Erde.

सैङ्गति (2. स + ह्) f. gemeinsame Anrufung: इमामधोषन्नवंसां सैङ्ग-तिम् RV. 10, 89, 16. 2, 33, 4. तमा नमस्व सैङ्गतिभिः 8, 64, 5 (vgl. 7, 32, 20, wo गिरा entspricht). 7, 27, 4. अर्वाञ्च देव्यं जन्ममे यद्व सैङ्गतिभिः 1, 45, 10. सैङ्गतौ (instr.) वनतं गिरः 93, 9.

सैङ्गदय (2. स + ह्) adj. (f. घ्रा) 1) sammt dem Herzen: सैङ्गदयो ऽग्निरधेयः TBR. 1, 1, 3, 12. 2, 1, 7. निर्वृतं मे सैङ्गदयं शरीरम् VIKRAM. 71, 13. — 2) = हृदयालु, चिद्रूप BHAR. zu AK. 3, 1, 3 nach ÇKDn. H. 345. HALĀJ. 2, 218. herzlich: सामनस्य Einigkeit AV. 3, 30, 1. ein warmes Herz für Jmd oder Etwas habend, gefühlvoll, Sinn für's Schöne habend: दन्ति-पो ऽप्यो सैङ्गदयः DAÇAR. 2, 6. कुरु साधु प्रसादं मे बाले सैङ्गदया ह्यसि R. 2, 13, 16. Çiç. 8, 51. Spr. (II) 1388. 2999. 3650. °हृदयस्वर Z. d. d. m. G. 27, 63. SĀH. D. 6, 16. 23, 15. 112, 10. Comm. zu KUYALAJ. 60, a.

सैङ्गतिकर्ण adj. mit इति versehen RV. PRĀT. 10, 6.

सैङ्गतिकार adj. dass. RV. PRĀT. 11, 13.

सैङ्गेतु (2. स + क्ते) adj. mit einem Grunde versehen, begründet KĀV-JĀD. 2, 186; vgl. 188.

सैङ्गेतुक (von 2. स + क्ते) adj. nebst dem Grunde RĀGĀ-TAR. 5, 54. einen Grund habend BHĀSHĀP. 100. begründet Comm. zu KĀV-JĀD. 2, 186.

सैङ्गेल und °क m. N. pr. eines Mannes RĀGĀ-TAR. 7, 1370. fg.

सैङ्गैकस्याम (1. सक् + एक-स्थान) n. das Alleinstehen mit Jmd JĀGĒ. 2, 284.

सैङ्गैक्ति (1. सक् + उ°) f. 1) das Zusammensprechen, Sprechen zu gleicher Zeit VOP. 23, 41. — 2) in der Rhetorik ein Gleichniss in Form der Vergesellschaftung SĀH. D. 701. KUYALAJ. 60, a (75, b). PRATĀPAR. 85, b, 3. Verz. d. Oxf. H. 208, b, 19. Beispiel Spr. (II) 2308. — Vgl. विनोक्ति.

सैङ्गैजौ adj. durch Gewalt erzeugt (vgl. सक्सः सूनुः) Agni RV. 1, 88, 1. kraftgeboren: Indra 10, 103, 5.

सैङ्गैल m. = पर्षोतल HĀR. 41. COLEBR. Misc. Ess. 1, 115.